11-09-2021

शुगर मैनेजमेंट कोर्स शुरू करने का प्लान

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट की एकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में विचार शुरू

- काउंसिल की मीटिंग में अल्कोहल टेक्नोलॉजी शुगर शुगर इंजीनियरिंग व क्वालिटी कंट्रोल की सीटें बढ़ाने पर मुहर लगी
- महामारी जैसा दौर आता है तो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर परीक्षाएं होंगी हाई सिक्योरिटी फीचर्स के साथ

ब्रेकिंग

कानपुर। संस्थान की अकेडमिक काउंसिल की बैठक संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संस्थान के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं हरकोर्ट बटलर टेक्निकल विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने भाग लिया। एकेडमिक काउंसिल में शुगर मैनेजमेंट कोर्स शुरू करने पर भी गहन मंत्रणा की गई मीटिंग में 3 कोर्स में सीटें बढ़ाने पर मोहर लगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एग्जाम कैसे कराए जाएंगे इस पर भी फैसला लिया गया हाई सिक्योरिटी फीचर के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर परीक्षाएं कराई जाएंगी।

न्यू एकेडमी सेशन में बढ़ी सीटों पर एडमिशन होंगे

बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार, संस्थान के एल्कोहॉल टेक्नोलॉजी एवं शुगर इन्जीनियरिंग के पाठ्यक्रमों में आगामी शैक्षिक वर्ष 2021-22 की सीटें बढ़ायी जाने का निर्णय लिया गया। संस्थान के निदेशक ने बताया कि देश में पेट्रोल एथेनॉल ब्लेन्डिंग को देखते हुए एथेनॉल उद्योग तेजी से आगे आ रहा है जिसके लिये भविष्य में एथेनॉल टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार चीनी मिलों में आधुनिकीकरण एवं को-जेनेरेशन को देखते हुए शुगर इन्जीनियर की मांग बढ़ना

स्वभाविक है। इसको देखते हुए एल्कोहॉल टेक्नोलॉजी में सीटों की संख्या 39 से बढ़ाकर 50 एवं शुगर इंजीनियरिंग में 33 से बढ़कर 40 एवं गुणवत्ता नियंत्रण पाठ्यक्रम में 22 से बढ़कर 30 करना प्रस्तावित किया गया। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग ने बताया कि इस प्रस्ताव को अनुमोदन हेतु शीघ्र ही मंत्रालय भेजा जाएगा।

नकल विहीन ऑनलाइन परीक्षाएं कराने की तैयारी

बैठक में कोरोना से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए आन्तरिक परीक्षा कराने, प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अन्य सम्बद्ध विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकल विहीन परीक्षा कराने की तैयारी संस्थान प्रशासन कर रहा है हाई सिक्योरिटी फीचर के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर परीक्षाएं कराई जाएंगी काउंसिल की मीटिंग में 9 में से 8 मेंबर उपस्थित रहे।

एल्कोहल टेक्नोलॉजी, शुगर इंजी. और गुणवत्ता नियंत्रण के पाठ्यक्रमों में सीटों की वृद्धि का प्रस्ताव

बैठक की अध्यक्षता करते निदेशक प्रो. नरेन्द मोहन व अन्य।

- एनएसआई में हुई अकेडमिक काउंसिल की बैठक में हुआ निर्णय

कानपुर, 10 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की अकेडमिक काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की अध्यक्षता में हुई जिसमें सीएसजेएमयू, सीएसए, एचबीटीयू के संकाय सदस्यों व विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि संस्थान के एल्कोहल टेक्नोलाजी एवं शुगर इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों में आगामी शैक्षिक वर्ष 2021-22 की सीटे बढ़ाये जाने का निर्णय लिया गया। निदेशक ने बताया कि देश में पेट्रोल एथेनाल ब्लेडिंग को देखते हुए एथेनाल उद्योग तेजी से आगे आ रहा है जिसके लिए भविष्य में एथेनाल टेक्नो लॉजिस्ट की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार चीनी मिलों में आधुनिकीकरण एवं को-जेनेरेशन को देखते हुए शुगर इंजीनियर की मांग बढ़ना स्वभाविक है। इसको देखते हुए एल्कोहल टेक्नोलाजी में सीटों की संख्या 39 से बढ़ा कर 50 एवं शुगर इंजीनियरिंग में 33 से बढ़ाकर 40 एवं गुणवत्ता नियंत्रण पाठ्यक्रम में 22 से बढ़ाकर 30 करना प्रस्तावित किया गया है। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग ने बताया कि इस प्रस्ताव को अनुमोदन हेतु शीघ्र ही मंत्रालय भेजा जायेगा। बैठक में कोरोना से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए आन्तरिक परीक्षा कराने, प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अन्य सम्बद्ध विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

एनएसआई में पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जाएंगी

अल्कोहल तकनीक और शुगर इंजीनियरिंग में होगा इजाफा

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) अल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाएगा। आने वाले दिनों में एथेनॉल उद्योग के विकास में तेजी के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। आगामी शैक्षिक सत्र वर्ष 2021-22 में सीटें बढ़ाई जाएंगी। इस संबंध में एनएसआई की एकेडमिक काउंसिल की बैठक हुई। इसमें सीएसजेएमयू, सीएसए और एचबीटीयू के विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया।

एनएसआई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि भविष्य में एथेनॉल टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत पड़ेगी। इसी तरह चीनी मिलों के आधुनिकीकरण और को-जनरेशन को देखते हुए शुगर इंजीनियरों की मांग बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि एल्कोहल टेक्नोलॉजी की सीटें 39 से बढ़ाकर 50, शुगर इंजीनियरिंग में 33 से बढ़ाकर 40 सीटें प्रस्तावित की गईं। इसी तरह गुणवत्ता नियंत्रण पाठ्यक्रम में 22 से बढ़ाकर 30 सीटें की गईं। इसके साथ ही कोरोना से पैदा हुए हालात के मद्देनजर डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए आंतरिक परीक्षा कराने और प्रश्न पत्र का स्वरूप तय करने पर चर्चा की गई।

आज से शुरू होगी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शनिवार को इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेल सहित कई भवनों का लोकार्पण होगा। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा विवि में आईसीटी प्रयोगशाला, सौर ऊर्जा, ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन, सीड टेस्टिंग प्रयोगशाला समेत केवीके के प्रशासनिक भवनों और मिनी सीड हब इकाई का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। स्टार्टअप शुरू करने विवि के तीन छात्रों एवं युवा किसान से भी वह बात करेंगे। इस दौरान आईसीएआर के उप महानिदेशक (शिक्षा) डॉक्टर आरसी अग्रवाल भी उपस्थित रहेंगे। (संवाद)

शर्करा संस्थान में विभिन्न पाठ्यक्रमों की बढ़ेंगी सीटें

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान शैक्षिक सत्र 2021-22 में एल्कोहल टेक्नोलॉजी व शुगर इंजीनियरिंग सहित कई अन्य पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जायेंगी। यह निर्णय शुक्रवार को संस्थान की एकेडमिक कांउसिल की बैठक में उक्त निर्णय लिया गया। बैठक में संकाय सदस्यों के अतिरिक्त सीएसजेएमयू, सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि एवं एचबीटीयू के विशेषज्ञ सदस्यों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बातया कि देश में पेट्रोल-एथेनॉल ब्लेंडिंग को देखते हुए एथेनॉल उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है,जिसके लिए भविष्य में एथेनॉल टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होगी। एल्कोहल टेक्नोलॉजी में सीटों की संख्या 39 से बढ़ाकर 50, शुगर इंजीनियरिंग में 33 से बढ़ाकर 40 तथा गुणवत्ता नियंत्रण पाठ्यक्रम में 22 से बढ़ाकर 30 सीट करना प्रस्तावित किया गया है। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि प्रस्ताव को अनुमोदन हेतु शीघ्र ही मंत्रालय भेजा जायेगा।